पंजाब केसरी
FRI,25 APRIL 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

पेंटिंग भावनाओं को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम : प्रो. यादव

गोहाना, 24 अप्रैल (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग और नैशनल इंटीग्रेटेड फॉर्म ऑफ आर्टिस्ट एंड एक्टिविटीज के तत्वावधान में 'इंद्रधनुष-रंग, रानियां और कहानियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी और वर्कशॉप का गुरुवार को समापन हो गया।

मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव और विशिष्ट अतिथि इवैंट फैसिलिटेटर डॉ. मनोज मलिक रहे। अध्यक्षता असिस्टैंट डीन स्टूडैंट वैल्फेयर डॉ. कृतिका दहिया ने की।

डॉ. कृतिका दहिया ने कहा 'इंद्रधनुष-रंग, रानियां और कहानियां' केवल विषय नहीं है बल्कि एक दर्शन है। जो नारी के भीतर छिपी भावनाओं को व्यक्त करता है।

प्रो. यादव ने कहा कि ग्रामीण अंचल में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। पेंटिंग अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है। तनाव से बचने के लिए विभिन्न एक्टिविटी करनी बहुत जरूरी है। पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में छात्राओं की भागीदारी से उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है।

उन्होंने प्रतिभागी कलाकारों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। डॉ. मनोज मलिक व सुनीता मलिक ने भी छात्राओं को सम्बोधित किया।

कलाकारों की तरफ से गुरमीत गोल्डी ने कहा कि महिला विश्वविद्यालय में तो ज्ञान का बीज बोने भर की जरूरत है, फल तो अवश्य मिलेगा। इस अवसर पर कंवल पाल सिंह, कोमल कौर, कादंबरी वर्धन, भारती वंदना, दर्शनजीत कौर, खुशी बुद्धिराजा, वीरांची कौशिक, डॉ. आशीष हुड्डा आदि मौजूद रहे।

पेंटिंग भावनाओं को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम

गोहाना मुद्रिका, 24 अप्रैल : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग और नेशनल इंटीग्रेटेड फॉर्म ऑफ़ आर्टिस्ट एंड एक्टिविटीज के तत्वावधान में "इंद्रधनुष-रंग, रानियां और कहानियां" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी और वर्कशॉप का गुरुवार को समापन हो गया।

मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो शिवालिक यादव और विशिष्ट अतिथि इवेंट फैसिलिटेटर डॉ. मनोज मलिक कार्यक्रम में रहे। अध्यक्षता असिस्टेंट डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ कृतिका दहिया ने की। डॉ कृतिका दहिया ने कहा "इंद्रधनुष-रंग, रानियां और कहानियां" केवल विषय नहीं है बल्कि एक दर्शन है। जो नारी के भीतर छिपी भावनाओं को व्यक्त करता है।

प्रो. यादव ने कहा कि ग्रामीण अंचल में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि पेंटिंग अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है। तनाव से बचने के लिए विभिन्न एक्टिविटी करनी बहुत जरूरी हैं। पढाई के साथ साथ अन्य गतिविधियों में छात्राओं की भागीदारी उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने प्रतिभागी कलाकारों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। डॉ मनोज मलिक व सुनीता मलिक ने भी छात्राओं को सम्बोधित किया।

कलाकारों की तरफ से गुरमीत गोल्डी ने कहा कि महिला विश्वविद्यालय में तो ज्ञान का बीज बोने भर की जरूरत है, फल तो अवश्य मिलेगा। इस अवसर पर कंवल पाल सिंह, कोमल कौर, कादंबरी वर्धन, भारती वंदना, दर्शनजीत कौर, ख़ुशी बुद्धिराजा, वीरांची कौशिक, डॉ. आशीष हुड्डा आदि मौजूद रहे।

कलाकारों द्वारा बनाई कलाकृति देखते कुलसचिव प्रो . शिवालिक यादव।

कलाकृतियों से बिखेरे कला प्रतिमा के रंग

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग व नेशनल इंटीग्रेटेड फॉर्म ऑफ़ आर्टिस्ट एंड एक्टिविटीज के तत्वाधान में इंद्रधनुष-रंग, रानियां और कहानियां विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी और कार्यशाला गुरुवार को समापन हो गया। मुख्य अतिथि विवि के कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव और विशिष्ट अतिथि इवेंट फैसिलिटेटर डॉ. मनोज मलिक थे। समापन सत्र की अध्यक्षता असिस्टेंट डीन स्टूडेंट वेलफेयर व कार्यक्रम को-ऑर्डिनेटर डॉ. कृतिका दहिया ने की। कहा कि इंद्रधनुष-रंग, रानियां और कहानियां केवल विषय नहीं है बल्कि एक दर्शन है। कलाकार गुरमीत गोल्डी ने कहा कि महिला विवि की धरती साक्षात ईश्वर का वरदान है। कलाकार कंवल पल सिंह, कोमल कौर, कादंबरी वर्धन आदि मौजूद रहे।

भावनाओं को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है पेंटिंग

गोहाना | भगत फूल सिंह महिला विवि में तीन दिवसीय राष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी और वर्कशॉप इंद्रधनुष- रंग, रानियां और कहानियां का समापन हो गया। प्रदर्शनी का आयोजन छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग और नेशनल इंटीग्रेटेड फॉर्म ऑफ आर्टिस्ट एंड एक्टिविटीज के तत्वावधान में किया गया था। समापन सत्र में मुख्य अतिथि कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव मौजूद रहे। असिस्टेंट डीन स्टूडेंट वेलफेयर और कार्यक्रम कोर्डिनेटर डॉ. कृतिका दहिया ने कहा कि इंद्रधनुष- रंग, रानियां और कहानियां केवल एक विषय नहीं, बल्कि एक दर्शन है। यह नारी के भीतर छिपी भावनाओं को उजागर करता है। प्रो. शिवालिक यादव ने कहा कि कलाकारों ने जो रंग बिखेरे हैं, वे छात्राओं के जीवन में भी रंग भरेंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। इस आयोजन से छात्राओं को नई दिशा मिलेगी। पेंटिंग भावनाओं को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। तनाव से बचने के लिए विभिन्न गतिविधियों में भाग लेना जरूरी है। पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भागीदारी से आत्मविश्वास बढ़ता है। इस अवसर पर डॉ. मनोज मलिक, सुनीता मलिक कंवल सिंह, गुरमीत गोल्डी, कोमल कौर, कादंबरी वर्धन, भारती वंदना, दर्शनजीत कौर, खुशी बुद्धिराजा, वीरांची कौशिक, डॉ. आशीष हुडा आदि उपस्थित थे।